देश के 43 भू वैज्ञानिक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

औद्योगिकीकरण व संसाधनों के दोहन से पृथ्वी का अस्तित्व खतरे में : मीराकुमार

नयी दिल्ली, 16 फरवरी (वार्ता)। भूविज्ञान से जुड़े क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले देश के प्रमुख 43 वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2010 से आज सम्मानित किया गया। खान मंत्रालय द्वारा यहां आयोजित एक समारोह में लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार और केन्द्रीय खान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनशा जे पटेल ने वैज्ञानिकों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

देश में आग्नेय शैलिकी के अध्ययन का मार्ग प्रशस्त करने वाले प्रमुख वैज्ञानिक और सीएसआईआर के अकादमिक सदस्य प्रो. चेरवेला लीलानंदम को लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वाडिया इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन जियोलाजी देहरादून के वरिष्ठ रिसर्च अेलो योगेश राय को युवा अनुसंधानकर्ता पुरस्कार से नवाजा गया। इस अवसर पर श्री पटेल ने भूवैज्ञानिकों से देश के प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर दोहन और मानवजाति के विकास में उसके उपयोग की दिशा में काम करने का आह्वान करते हुये कहा कि सतही खनिज के अन्वेषण और खनन के क्षेत्र में भारत ने तरक्की की है लेकिन भूमिगत खनिजों के अन्वेषण और खनन की दिशा में अन्य देशों की तुलना में देश काफी पीछे है। उन्होंने इस दिशा में शोध एवं कार्य की अपार संभावना बताते हुये कहा कि वैज्ञानिक विधि से खनन करने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त तटीय और अपतटीय क्षेत्रों में भी खनन की व्यापक संभावनायें हैं। लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने आज कहा कि बढ़ती आबादी, तीव्र औद्योगिकीकरण और संसाधनों के मनमाने दोहन से पर्यावरण संतुलन और पृथ्वी का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। खान मंत्रालय के राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2010 के वितरण समारोह को संबोधित करते हुये श्रीमती कुमार ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन वर्तमान में सबसे बड़ी चुनौती बन गयी है जिनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना चाहिए। इस मौके पर केन्द्रीय खान राज्य मंत्री दिनशा जे पटेल और खान सचिव विश्वपति त्रिवेदी भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि खनिज, जल और ऊर्जा सहित सभी प्राकृतिक संसाधनों की तेजी से बढ़ी मांग के बीच नयी संपदाओं को खोजने, अप्रयुक्त और अब तक खोजे न जा सके संसाधनों पर ध्यान केन्द्रित करते हुये पर्यावरण और बहुमूल्य संसाधनों की सुरक्षा करना भी आवश्यक है। प्रगति और संरक्षण के लिए अपेक्षित संतुलन बनाये रखने के वास्ते प्रौद्योगिकियां विकसित करके पूरी दुनिया की सरकारों और आम लोगों को जागरूक करना चाहिए कि पर्यावरण और बहुमूल्य संसाधनों की सुरक्षा करना जरूरी है।

नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार-2010' समारोह में जयपुर के डीएई प्रखर कुमार को पुरस्कार प्रदान करती हुईं लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार। साथ में हैं खान राज्य मंत्री दिनशा जे. पटेल व अन्य।